आफरी द्वारा वन महोत्सव 2012 का आयोजन केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 01, एयर फोर्स, जोधपुर में (19 जुलाई, 2012)

वनों के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से अनेक लाभ है, जहां एक ओर वनों से हमें चारा, जलाऊ लकड़ी, ईमारती लकड़ी, औषधियां, गोंद, रेजिंन आदि जीवनोंपयोगी पदार्थ प्राप्त होते है वहीं दूसरी ओर वन, जैव विविधता सरंक्षण एवं ग्रीन हाउस गैसों के हानिकारक प्रभावों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते है यह उदगार केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 01 एयर फोर्स, जोधपुर के प्रागंण में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी), जोधपुर के निदेशक, डॉ. टी.एस. राठौड़ ने वन महोत्सव 2012 के दौरान आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। डॉ. राठौड़ ने अपने उद्धबोदन में वायु मण्डल की कार्बन डाई ऑक्साईड गैस के अवशोषण में वनों की भूमिका बताते हुए, कार्बन पृथ्थकरण में वनों का महत्व बताया। उन्होंनें छात्र-छात्राओं एवं आमजन से अधिकाधिक वृक्षारोपण करने एवं उसकी सुरक्षा करने का आव्हान किया जिससे की आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ वातावरण मिल सकें।

वन महोत्सव कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय एयर कोमोड़ोर श्री आर.एन. गायकवाड (श्री आर.एन. सिन्हा, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी वायु सेना एवं नोमिनी चेयर मेन विधालय प्रबंधक कमेटी, आफरी निदेशक डॉ. टी.एस. राठौड़, समूह समन्वयक (शोध) श्री मानाराम बालोच, भा.व.से., सहित आफरी के अनेक वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों तथा स्काउट प्रशिक्षण के राजस्थान एवं गुजरात से आये हुए बच्चों ने पौध रोपण किया। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत करते हुए केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 01 वायु सेना, जोधपुर के प्राचार्य श्री/डॉ. आर. के. मीणा ने विद्यालय में लगाये गए पौधों की सुरक्षा करने एवं संवर्द्धन करने का भरोसा दिलाया।

कार्यक्रम के दौरान आफरी के समूह समन्वयक (शोध) श्री मानाराम बालोच, भा.व.से., वन महोत्सव का इतिहास बताते हुए वर्तमान में इसकी महत्ता के बारे में विस्तार बताया। श्री बालोच ने खेजड़ली गांव में अमृता देवी एवं अन्य लोगों के वृक्षों की सुरक्षा के लिए जीवन तक न्यौछावर करने का उदाहरण देते हुए राजस्थान की संस्कृति एवं वनों के प्रेम के बारे में बताया। श्री मानाराम बालोच ने सभी से वनों के क्षेत्रफल में वृद्धि हेतु सहयोग देने की अपील की। आफरी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एस.आई. अहमद ने वनों के महत्व के बारे में बताया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम- वन महोत्सव के दौरान छात्र-छात्रों द्वारा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इनमें से "भंवरी नृत्य" ने सभी का मन मोह लिया। केन्द्रीय विधालय क्रमांक 01 वायु सेना, जोधपुर के प्राचार्य श्री/डॉ. आर. के. मीणा एवं आफरी निदेशक डॉ. टी.एस. राठौड़ ने नृत्य कार्यक्रम के प्रतिभागियों को रूपये 1100-1100 का पुरस्कार एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए। कार्यक्रम का संचालन आफरी के जन सम्पर्क अधिकारी डॉ. एन. के. बोहरा एवं केन्द्रीय विधालय की श्रीमती प्रतिभा पाध्ये एवं मंजू पाण्डे ने किया। कार्यक्रम के अन्त में धन्यवाद ज्ञापन कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष डॉ. के.के. श्रीवास्तव ने दिया।

वन महोत्सव कार्यक्रम में आफरी के वैज्ञानिक आफरी के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

निदेशक आफरी द्वारा वृक्षारोपण

निदेशक आफरी द्वारा सम्बोधन

समूह समन्वयक द्वारा वृक्षारोपण

सांस्कृतिक समारोह के प्रतिभागी

सांस्कृतिक कार्यक्रम की झलकिया